दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 64 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, बुधवार, 03 मई 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

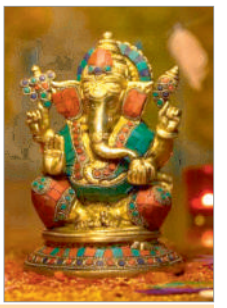

मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल की गुंडागर्दी ने बेशर्मी की सारी हदें पार ...

अंबेडकर और राव का 'संयुक्त राज्य भारत'

मूल्य- 2 रु.

जिलों में यूपी निकाय चुनाव के पहले चरण का प्रचार थमा, 4 मई को वोटिंग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के पहले चरण का चुनाव प्रचार मंगलवार की शाम थम गया. सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी दलों ने शहरों में अपनी ताकत दिखाकर चुनाव को अपने पक्ष में करने की कोशिश की और एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए. उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले इस माह दो चरणों में होने वाले नगर निकाय चुनावों को शहरी मतदाताओं के बीच राजनीतिक दलों के असर के आकलन की कसौटी माना जा रहा है। निर्वाचन आयोग के मुताबिक यूपी में दो चरणों में चार मई और 11 मई को नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

महापौर और पार्षद पद के लिए मतदान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से होगा, जबकि बाकी पदों के लिए मतदान बैलेट पेपर से होगा. राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि पहले चरण में चार मई को सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, देवीपाटन, गोरखपुर और वाराणसी मंडल के 37 जिलों के 2.40 करोड़ से अधिक मतदाता अपने

मत का प्रयोग करेंगे. राजनीतिक दलों के उम्मीदवार अपनी पार्टी के चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं. पहले चरण में नगर निगमों के 10 महापौर और 820 पार्षदों, 103 नगर पालिका परिषद अध्यक्षों, 2,740 नगर पालिका परिषद सभासदों, 275 नगर पंचायत अध्यक्षों और 3,645 नगर पंचायत सदस्यों समेत कुल 7,593 पदों के लिए 44 हजार से अधिक उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं. आयोग के बयान के अनुसार नगर निगमों के 10 पार्षदों समेत कुल 85 प्रतिनिधि पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। पहले चरण के मतदाताओं को साधने के लिए राजनीतिक दलों ने जमकर प्रचार किये. खासतौर से सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवारों के पक्ष में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी समेत सरकार के मंत्री और संगठन के पदाधिकारियों ने चुनाव क्षेत्रों में रैलियों और जनसभाओं के जरिये व्यापक प्रचार किया.

यूपी में दो चरणों में चार मई और 11 मई को नगर निकाय चुनाव के लिए मतदान होगा और 13 मई को मतगणना होगी।

वहीं राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव समेत पार्टी के नेताओं ने भी चुनाव क्षेत्रों का दौरा किया. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर से चुनाव प्रचार की शुरुआत की और प्रचार तेज होने पर 24 अप्रैल की सीतापुर की सभा में उन्होंने नगर निकाय चुनाव को देवासुर (देवताओं और राक्षसों के बीच लड़ाई) संग्राम करार देते हुए पूर्ववर्ती सरकारों की कथित माफिया संस्कृति पर हमला बोला. प्रचार के अंतिम दिन प्रयागराज में एक चुनावी सभा में बिना किसी का नाम लिए आदित्यनाथ ने कहा कि प्रकृति न तो किसी पर अत्याचार करती है और न ही किसी का अत्याचार स्वीकार करती है और सबका हिसाब बराबर रखती है।

सूडान संकट: जेद्दा से 231 भारतीय अहमदाबाद पहुंचे

अहमदाबाद। हिंसाग्रस्त सूडान से नागरिकों को वापस लाने के भारत के अभियान ऑपरेशन कावेरी के तहत 231 भारतीय मंगलवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचे। इनमें गुजरात के 208 लोग शामिल हैं। राज्य सरकार के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इन लोगों का स्वागत किया। सांघवी ने हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि विशेष विमान से आए 231 भारतीयों में 208 गुजरात के, 13 पंजाब के और 10 लोग राजस्थान के हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को हवाई अड्डे से उनके गंतव्य तक भेजने के लिए राज्य सरकार ने व्यवस्था की है। मंत्री के अनुसार, सूडान में बस चुके गुजरात के कम से कम 360 निवासी ऑपरेशन कावेरी के तहत लौट आए हैं। सांघवी ने कहा, राजकोट के निवासियों को हवाई अड्डे से पांच वॉल्वो बसों के जरिए उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाएगा। सूडान से लौट रहे 10 बुजुर्ग लोगों की चिकित्सकीय जांच के लिए चिकित्सा दलों को तैनात किया गया है।

नगर निगम शिमला चुनाव : 102 प्रत्याशी 59 फीसदी वोटिंग कल खुलेगी किस्मत

शिमला। नगर निगम शिमला चुनाव के लिए मतदान प्रकिया संपन्न हो गई है। शहर के 34 वार्डों से चुनाव लड़ रहे 102 प्रत्याशियों के लिए शहर की जनता ने वोट डाल दिया है। ऐसे में अब इन प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला गुरुवार हो होगा। ईवीएम मशीनों के लिए राज्य चुनाव आयोग ने शहर के छोटा शिमला स्कूल में स्ट्रांग रूम बनाया है। यहां पर मतगणना तक डबल गार्द सिक्योरिटी में ईवीएम मशीनों को रखा जाएगा, ताकि ईवीएम मशीनों के साथ किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो। एसपी शिमला संजीव गांधी ने बताया कि यहां पर डबल गार्द सिक्योरिटी रहेगी। एक गार्द में करीब आठ से नौ जवान मौजूद रहेंगे। मतगणना के दिन करीब 120 जवान शहर में तैनात रहेंगे। यानी एक कंपनी के बराबर जवान शहर में होंगे, ताकि किसी भी प्रकार की हिसंक घटना को होने से रोका जाए और शहर के सौहार्दपूर्ण वातवरण बा रहे। उन्होंने बताया कि मतगणना के लिए एक एडीशनल एसपी शिमला को सुरक्षा का जिम्मा दिया गया है। उनके नेतृत्व में दो डीएसपी व 120 जवान शहर में मौजूद रहेंगे। मतगणना के नतीजे आने के बाद अलग अलग प्रत्याशियों व पार्टियों की ओर से विजय जुलुस भी निकाले जाएंगे। ऐसे में शहर का ट्रैफिक प्रभावित न हो इसके लिए अलग से ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाएगा। वहीं शहर के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। शहर में जगह जगह पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा, ताकि शहर में ट्रैफिक सिस्टम सुचारू रूप से चलता रहे। वहीं, डीसी शिमला आदित्य नेगी ने बताया कि चार मई को छोटा शिमला स्कूल में नगर निगम शिमला चुनाव के लिए हुई वोटिंग की काऊंटिंग होगी। इसके लिए जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस दौरान करीब 250 कर्मचारी तैनात रहेगी।

कांग्रेस के घोषणापत्र पर बोले पीएम मोदी : पहले श्री राम को ताले में बंद किया, अब बजरंगबली को बंद करने की बात

कर्नाटक, एजेंसी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धुआंधार चुनावी रैली कर रहे हैं। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने आज कर्नाटक के होसपेत शहर में रैली को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर बयान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प ले रहे है। 10 मई को कर्नाटक में मतदान होना है, जिसको देखते हुए कांग्रेस ने अपना घोषणा पत्र जारी किया है। पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में सबसे बड़ा वादा किया है कि सरकार बनने पर पीएफआई के साथ ही बजरंग दल पर बैन लगा दिया जाएगा। इसी घोषणा पत्र को लेकर अब पीएम मोदी ने आज अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पीएम मोदी ने रैली में कहा, 'आज हनुमान जी की इस पवित्र भूमि को नमन करना मेरा बहुत बड़ा सौभाग्य है और दुर्भाग्य देखिए, मैं आज जब यहां हनुमान जी को नमन करने आया हूं उसी समय कांग्रेस पार्टी ने अपने मेनिफेस्टो में बजरंगबली को ताले में बंद करने का निर्णय लिया है। पहले श्री राम को ताले में बंद किया और अब जय बजरंगबली बोलने वालों को ताले में बंद करने का संकल्प लिया है। यह देश का दुर्भाग्य है कि कांग्रेस पार्टी को प्रभु श्री राम से भी तकलीफ होती थी और अब जय बजरंगबली बोलने वालों से भी तकलीफ हो रही है।' पीएम मोदी ने कांग्रेस पर हमला करते हुए आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक की मान-मर्यादा और संस्कृति पर कोई आंच नहीं आने देगी। साथ ही बीजेपी कर्नाटक के विकास के लिए, यहां के लोगों को आधुनिक सुविधा और नए अवसर देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस ने दशकों के अपने शासन के दौरान गांवों और शहरों के बीच खाई को बहुत ज्यादा

बढ़ा दिया था लेकिन बीजेपी सरकार इस खाई को कम करने में लगातार जुटी हुई है।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल
uttarakhandprahari19@gmail.com या
whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

कर्नाटक के 'मन की बात'

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' के जरिए जनता-जनार्दन का आह्वान तो किया है। उनसे लगातार जुड़े रहे हैं। देश के 100 करोड़ से ज्यादा लोगों ने यह कार्यक्रम देखा और सुना है। संयुक्त राष्ट्र तक में 100वें एपिसोड का सीधा प्रसारण देखा गया, लेकिन अब कर्नाटक के 'मन की बात' भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। उसे जानने-सुनने का वक्त आ गया है। कर्नाटक में भाजपा सत्तारूढ़ है और 2004 से 2019 तक प्रत्येक लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें भाजपा जीतती रही है। अब चिंता कर्नाटक विधानसभा की है। भाजपा की 'अग्नि-परीक्षा' जैसी स्थितियां हैं, क्योंकि जो ख़बरें सामने आ रही हैं और जो सर्वे किए गए हैं, उनका सारांश यह है कि कांग्रेस के पक्ष में 'अंडर करंट' है। कांग्रेस को फायदा हो सकता है। स्पष्ट बहुमत के आसार भी जताए जा रहे हैं। भाजपा सिर्फ प्रधानमंत्री मोदी के आह्वानों, मुद्दों और लोकप्रियता के आसरे ही है, लिहाजा 7 मई तक उनकी 16 जनसभाओं और रोड शो के आयोजन तय कर लिए गए हैं।

कर्नाटक एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां प्रधानमंत्री ने जनवरी से अप्रैल तक 9 दौरे किए हैं। किसी भी तरह प्रधानमंत्री कर्नाटक में सत्ता-विरोधी लहर को थामना चाहते हैं, लिहाजा प्रयास ये भी किए जा रहे हैं कि जनादेश त्रिशंकु आए, ताकि कांग्रेस को सत्ता से बाहर रखा जा सके। भाजपा की रणनीति है कि जनता दल-एस के कुमार स्वामी को मुख्यमंत्री बनाने की पेशकश की जाए और भाजपा जद-एस के साथ गठबंधन सरकार बना सके। बहरहाल यह तो 13 मई को स्पष्ट होगा कि जनादेश किसके पक्ष में, कितना, रहता है, लेकिन 40 फीसदी कमीशन वाली सरकार, मुस्लिम आरक्षण, जातीय जनगणना, स्थानीय मुद्दे, किसानी और रेवड़ियां आदि पर कन्नड़ की जनता स्पष्ट प्रतिक्रियाएं दे रही है। भ्रष्टाचार और दलाली बेहद अहं मुद्दे बन चुके हैं। जाहिर है कि वे भाजपा के खिलाफ ही जा रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार को देश भर की 'कड़वी हकीकत' बताने की कोशिश की है। कांग्रेस प्रधानमंत्री को जो 91 गालियां दे चुकी है, उस पर भी जनता की तल्खी और नाराजग़ी तय करने की कोशिश खुद प्रधानमंत्री ने की है। प्रधानमंत्री कर्नाटक को देश का 'नंबर वन' राज्य बनाना चाहते हैं। सबसे अधिक विदेशी निवेश इस बार कर्नाटक में आया है। अमूमन यह मुंबई में आता रहा है, क्योंकि वह देश की आर्थिक राजधानी है। उद्योग फल-फूल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और जद-एस की 'गारंटियों' को बेमानी करार दिया है।

हालांकि अभी तक यह परिभाषित नहीं है कि जन-कल्याण और मुफ्तखोरी की रेवड़ियों के बीच अंतर क्या है? अपनी-अपनी सुविधा से परिभाषाएं तय की जा रही हैं। प्रधानमंत्री ने आगाह किया है कि दोनों ही विपक्षी दल 'वंशवादी' हैं और परिवार के बाहर उन्हें किसी की भी चिंता नहीं है। बयान कुछ भी देते रहें। वायदे कुछ भी करते रहें। कर्नाटक के चुनाव में 'जातीयता' का मुद्दा भी रंग दिखाएगा। कर्नाटक में मुख्य तीन क्षेत्र हैं। ओल्ड मैसूर में जद-एस, हैदराबाद कर्नाटक में कांग्रेस और बंबई कर्नाटक में भाजपा के पुराने वर्चस्व रहे हैं। यह वर्चस्व और जनाधार आज भी है, लेकिन प्रतिशत में अंतर आ सकता है। भाजपा का पूरा फोकस यह रहा है कि कर्नाटक में डबल इंजन की सरकार नहीं रही, तो वहां के लोगों पर डबल मार पड़ेगी। विकास ठप हो सकता है और देशद्रोही संगठनों को फिर से सक्रिय किया जा सकता है। प्रधानमंत्री और भाजपा की इन चेतावनियों से चुनाव कितना प्रभावित होता है और लोग भाजपा की ओर धुरवीकृत होते हैं, यह जनादेश के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

अंबेडकर और राव का 'संयुक्त राज्य भारत'

भानु धमीजा

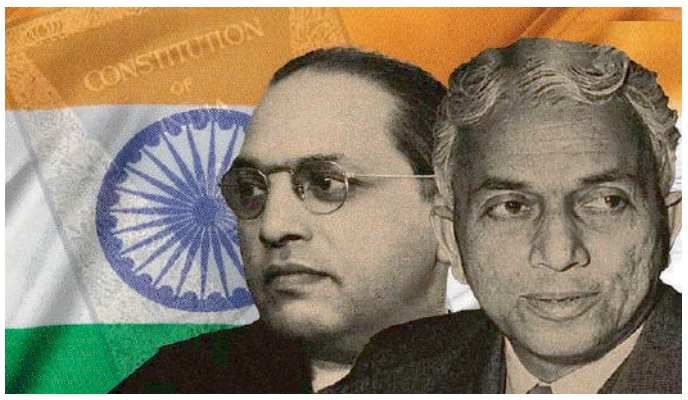

बीआर अंबेडकर को उनकी 133वीं जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि देश को ''संयुक्त राज्य भारत'' के रूप में स्थापित करने के उनके सपने को याद करना होगी। उन्होंने भारत की संविधान सभा की एक उपसमिति के समक्ष यह विचार मार्च 1947 में प्रस्तुत किया था। परंतु कुछ माह बाद जब वह संविधान की प्रारूपण समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गए, उन्होंने अपनी परिकल्पना का अनुसरण करने के बजाय कांग्रेस पार्टी का दृष्टिकोण आगे बढ़ाना आरंभ कर दिया। मैं पहले ही अंबेडकर की योजना के विषय में लिख चुका हैं और यह भी कि इसे कैसे सभा में चर्चा के लिए भी नहीं लाया गया।

यह केवल अंबेडकर की ही परिकल्पना नहीं थी। उनके पूर्ववर्ती सर बेनेगल नरसिंह राव, जिन्होंने संविधान का प्रथम प्रारूप लिखा था, ने भी ''संयुक्त राज्य भारत'' नामक संघ प्रस्तावित किया था। राव का प्रस्ताव एक वर्ष से भी पहले जनवरी 1946 में प्रस्तुत किया गया था, जब वह ब्रिटिश सरकार में ही अफसर थे। बाद में वह संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किए गए और उन्होंने संविधान निर्माण में जवाहर लाल नेहरू और अन्यों के साथ निकटता से कार्य किया। अंबेडकर और राव, दोनों ही दूरदर्शी थे। वे जानते थे कि एक विभक्त भारत के बजाय संयुक्त भारत अधिक मजबूत और खुशहाल होगा।

राव एक विख्यात संविधानविद थे। ''वर्ष 1935 से राव भारत में प्रमुख संवैधानिक घटनाक्रमों के मध्य में थे। वर्ष 1946 आते-आते वे सभी प्रमुख भारतीय राजनीतिक दलों और ब्रिटिश सरकार के सबसे चहेते संवैधानिक विशेषज्ञ बन चुके थे।'' यह कहना है उनकी जीवनी लिखने वाले अरविंद इलांगोवान का। कैंब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक के बाद – जहां खबरों के अनुसार नेहरू उनकी विधवता की सराहना करते थे – राव भारतीय सिविल सर्विसेज में चले गए, और जल्द ही गवर्नर जनरल के सचिवालय में नियुक्त हो गए। बाद के जीवन में राव ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का प्रतिनिधित्व किया और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में सेवाएं दी।

यह राव ही थे जिन्होंने वर्ष 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत भारतीयों को वास्तविक अधिकार देने के लिए ब्रिटिश सरकार को मनाया था। इस कानून ने भारतीयों को पहली बार अपनी प्रांतीय सरकारें बनाने की अनुमति दी, परंतु अंग्रेज उन्हें कोई संप्रभु अधिकार देने के प्रति अनिच्छुक थे। राव का तर्क था कि 1935 के कानून को संविधान की तरह मानना चाहिए, न कि मात्र एक कानून। यही एक्ट बाद में भारत के अपने संविधान का आधार बना। राव ने अपना ''संयुक्त राज्य भारत'' का प्रस्ताव देश में निराशा के अंतिम क्षणों में तैयार किया, जब मुस्लिम लीग और कांग्रेस स्वतंत्र भारत के लिए संविधान की किसी भी प्रकार पर सहमति बनाने में असफल रहे थे। वर्ष 1946 में भारत में एक विचित्र और शर्मनाक स्थिति थी। चार वर्षों से एक विदेशी शक्ति स्वतंत्रता देना चाहती थी, परंतु वह ऐसा करने में असफल थी क्योंकि भारतीय स्वयं अपनी सरकार की प्रणाली पर सहमत नहीं हो रहे थे। राव ने देश को प्रांतीय सरकारों के संघ के रूप में संयोजित करने का प्रस्ताव रखा, जहां हर प्रांत को स्वशासन का अधिकार हो पर स्वाधीनता का नहीं। उनका ''संयुक्त राज्य भारत'' तीन प्रकार के प्रांतों से बना था : ब्रिटिश भारतीय प्रांत, सीमावर्ती प्रांत, और रियासतें व जनजातीय क्षेत्र। सीमावर्ती प्रांत उन क्षेत्रों के अनुरूप थे जिन्हें मुस्लिम लीग पाकिस्तान के रूप में देखती थी। राव ने प्रांतों को स्थानीय मुद्दों पर स्वायत्तता दी, परंतु रक्षा, विदेशी मामलों, संचार और संबंधित वित्त पर नहीं। उनकी योजना ने ब्रिटिश और सीमावर्ती प्रांतों को केंद्रीय कार्यपालिका और विधायिका में समान प्रतिनिधित्व दिया।

''इस योजना का सार यह है'', राव ने लिखा कि ''एक समुदाय का प्रभुत्व दूसरों पर न हो। भारत की एकता इस प्रकार बचानी होगी कि वह सभी के लिए समान रूप से लाभदायक हो।'' राव ने संघ की एक ही संघीय विधायिका प्रस्तावित की, परंतु इसे तीन भागों में बिठाने की योजना बनाई, ताकि ''हर समूह के कार्य केवल उसी समूह के सदस्य निपटाएं।'' उनके ''संयुक्त राज्य भारत'' की कार्यपालिका इस प्रकार व्यवस्थित की गई : ''संघ का कार्यकारी प्राधिकरण एक गवर्नर जनरल चलाए और उसे सलाह देने के लिए भारत की एक प्रिवी काउंसिल हो तीनों समूहों के लिए प्रिवी काउंसिल की अलग-अलग कार्यकारी समितियां हों।''

पाकिस्तान को दर्द का एहसास कराना होगा

प्रताप सिंह पटियाल

मजहब के नाम पर वजूद में आया पाकिस्तान आज तक ऐसा कोई मुकाम हासिल नहीं कर सका जिसमें वो भारत का मुकाबला कर सके। चार युद्धों में शर्मनाक शिकस्त का दंश झेल कर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुका पाक अपनी कायराना हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। गत20 अप्रैल 2023 को पुंछ जिले के संगयोट क्षेत्र में आंतकियों ने सेना के वाहन पर हमले को अंजाम दिया था। उस हमले में 49 राष्ट्रीय राइफल्स के पांच जवान शहीद हो गए। सेना के वाहन पर यह आतंकी हमला ऐसे वक्त में हुआ जब कई सियासतदान ईद के जश्न में इफ्तार पार्टियों में मशगूल थे। देश आईपीएल के खुमार में डूबा है। इसलिए सेना के पांच जवानों का बलिदान न्यूज चैनलों की सुर्खियां नहीं बना। सशस्त्र सेनाएं किसी एक राज्य या सियासी दल की नहीं होती हैं। मुल्क की सालमियत व मोहिब्बे वतन की प्रतीक सेना भारत की शान है। देशरक्षा के लिए शहादत देशभक्ति की पराकाष्ठा है तथा शौर्य पराक्रम का सबसे बड़ा सबूत। पुंछ हमले में पंजाब के शहीद सिपाही कुलवंत सिंह के पिता बलवंत सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध में इसी कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। दरअसल भारत के खिलाफ जेहाद पाकिस्तान की विचारधारा बन चुका है। 22 अक्तुबर 1947 को कश्मीर पर किए गए हमले को पाक सिपहसालारों ने जेहाद का ही नाम दिया था। 1947 के उस हमले में घुसपैठिया युद्धकला के मास्टरमांइड मेजर अकबर खान ने 'आपरेशन गुलमर्ग' नामक सैन्य मिशन की कयादत करके श्रीनगर का फातिम बनने का जहालत भरा ख्वाब देखा था मगर भारतीय सेना के पलटवार के बाद अकबर खान को युद्धभूमि से भाग कर जान बचानी पड़ी थी। कश्मीर के महाज पर जिल्लत भरी शिकस्त व नाकामी के बदनुमां दाग से अफसुर्दा होकर अकबर खान ने 1950 में रावलपिंडी में पाक सैन्य बगावत को अंजाम दिया था।

अपनी किताब 'रेडर्स इन कश्मीर' में अकबर खान ने खुद इसका जिक्र किया था। सन 1965 में जनरल अयूब खान ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' के तहत कश्मीर को हथियाने का दुस्साहस किया था। पांच सितंबर 1965 को 'तीन डोगरा' बटालियन के 17 जवानों ने अपना बलिदान देकर इसी पुंछ के मोर्चे पर पाक फौज को धूल चटाकर कश्मीर को बचाया था। 'तीन डोगरा' के हिमाचली शूरवीर कैप्टन प्रेम सिंह 'वीर चक्र' तथा सिपाही सुखराम 'वीर चक्र' (मरणोपरांत) ने उस आपरेशन जिब्राल्टर के खिलाफ अहम किरदार अदा किया था। 1971 के युद्ध में इसी पुंछ के मोर्चे पर हिमाचली सूरमा कर्नल कश्मीरी लाल रतन 'महांवीर चक्र' तथा कर्नल पंजाब सिंह 'वीर चक्र' ने सिख बटालियन का नेतृत्व करके पाक फौज की पेशकदमी को ध्वस्त करके पुंछ को महफूज रखने में निर्णायक भूमिका निभाई थी। जनरल याहिया खान के दौरे हुकूमत में दुनिया की चश्म ए पलक ने वो नजारा भी देखा जब बांग्लादेश के रामना रेसकोर्स गार्डन में भारतीय सेना ने 16 दिसंबर 1971 को पाक फौज को पाकिस्तान की गैरत को नीलाम करने पर मजबूर कर दिया था।

कश्मीर पर तमाम नाकामियों तथा तीन युद्धों में पाक सेना की करारी शिकस्त का हिस्सा रहे पाकिस्तान की सैन्य हुकूमत का सफ्फाक चेहरा जनरल 'जिया उल हक' मार्च 1976 को पाक सेना के आठवें सिपहसालार बने थे। जनरल जिया भारतीय सेना के आक्रामक तेवरों को भलिभांति जानते थे कि प्रत्यक्ष युद्ध में पाक फौज भारतीय सेना का सामना नहीं कर सकती। अतः 1980 के दशक में जिया उल हक ने भारत के विरूद्ध 'ऑपरेशन टोपाक' नाम से 'वार विद लो इंटेसिटी' का मंसूबा तैयार किया था।

जनरल जिया को ऑपरेशन टोपाक का मशवरा देने वाले आईएसआई के तत्कालीन सरवराह व अफगान जेहाद के अहम किरदार जनरल अख्तर अब्दुल रहमान थे। जिला उल हक ने ही अफगानिस्तान के 'कोल्ड वार' में सोवियत संघ की सेनाओं के खिलाफ पाक के पेशावर शहर को अमरीका के हवाले कर दिया था। भावार्थ यह है कि आंतक व पाकिस्तान का चोली दामन का साथ रहा है। पाक हुक्मरानों की आंतक नीति का खामियाजा कश्मीर के साथ पाकिस्तान भी भुगत रहा है। जिया उल हक झूठी हसरत पाल बैठे थे कि ऑपरेशन टोपाक के तहत कश्मीर पाक का हिस्सा बन जाएगा मगर 13 अप्रैल 1984 को भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन मेघदूत' को अंजाम देकर सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जा करके जिया उल हक के अरमानों को ध्वस्त कर दिया था। सियाचिन में पाक फौज की शिकस्त से मायूस होकर पाकिस्तान की मारूफ सियासी लीडर बेगम बेनजीर भुट्टो ने जनरल जिया उल हक को हिजाब पहनने का मशवरा दे डाला था। अपनी हैसियत व औकात से बड़े ख्वाब देखना पाक जरनैलों की खासियत रहा है। पाकिस्तान की जम्हुरियत फौजी बूटों से लहुलुहान होकर कठपुतली बन चुकी है। पाकिस्तान के सियायतदान हर वक्त तख्ता पलट के खौफ में जीने को मजबूर रहते हैं मगर फिर भी मई के पहले हफ्ते में गोवा में आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री तशरीफ ला रहे हैं। बुनियादी सवाल यह है कि क्या पाक विदेश मंत्री के समक्ष कारगिल युद्ध में पाक सेना के किरदार को बेनकाब करने वाले कैप्टन सौरभ कालिया व उनके पांच साथियों की हत्या का मुद्दा उठेगा।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

जो भूमि अतिक्रमण मुक्त की गई हैं, उन पर चहारदीवारी अथवा तारबाड़ लगाकर लें कब्जा

वेणीराम उनियाल / उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून । आयुक्त गढ़वाल मंडल सुशील कुमार की अध्यक्षता में बैठक आयुक्त शिविर कार्यालय ईसी रोड पर लैंडफ्राड समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आयुक्त गढ़वाल मंडल ने निर्देश दिए कि भूमि फ्रॉड के प्रकरणों पर प्रभावी कार्यवाही करें साथ ही जिन सरकारी भूमि पर अतिक्रमण है, उनको अतिक्रमण मुक्त किया जाए। उन्होंने नगर निगम एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भूमि अतिक्रमण मुक्त की गई हैं, उनपर चहारदीवारी अथवा तारबाड़ लगाकर सरकारी कब्जा लें। साथ ही निर्देशित किया कि जो प्रकरण माननीय न्यायालय में विचाराधीन है उनकी प्रभावी पैरवी की जाए। आयुक्त गढ़वाल ने ग्राम डांडा लखोंड में भूमि पर अवैध अतिक्रमण के सम्बन्ध में पीपी एक्ट के अन्तर्गत वादों को सुनते हुए निस्तारित करने के निर्देश दूरभाष पर नगर मैजिस्ट्रेट को दिए तथा डांडा लखौंड में अतिक्रमण मुक्त की गई भूमि पर चाहर दीवारी/तारबाड़ करने के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए इसके लिए उन्होंने नगर मजिस्टेट देहरादून तथा मुख्य नगर आयुक्त नगर निगम देहरादून को दूरभाष पर वार्ता कर कार्यवाही करने को कहा। फर्जी अभिलेख के आधार पर मृतक व्यक्ति को जीवित दिखाकर भूमि विक्रय करने के प्रकरण पर संबंधितों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करवाने के निर्देश दिए। आयुक्त गढवाल मण्डल ने उप जिलाधिकारियों को खतौनी अद्यतन करने के निर्देश दिए।

बैठक में आईजी गढवाल के.एस नगियाल, अपर जिलाधिकारी प्रशासन देहरादून डॉ एस के बरनवाल, संयुक्त सचिव एमडीडीए रजा अब्बास, उप जिलाधिकारी सदर नरेश चन्द्र दुर्गापाल, उप जिलाधिकारी कोटद्वार प्रमोद कुमार,उप जिलाधिकारी डोईवाला शैलेन्द्र नेगी, एसएनए नगर निगम ऋषिकेश रमेश सिंह रावत,डीयूएसपी रमा देवी, टैक्स रिव्यू अधिकारी नगर निगम देहरादून राहुल कैन्तुरा आदि उपस्थित थे।

मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल की गुंडागर्दी ने बेशर्मी की सारी हदें पार की : आप

देहरादून । आम आदमी पार्टी के गढ़वाल मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता रविंद्र सिंह आनन्द ने सुबे के वित्त ,शहरी विकास एवं संसदीय कार्य मंत्री एवं ऋषिकेश से विधायक प्रेमचंद्र अग्रवाल द्वारा ऋषिकेश में सड़क पर मारपीट करने का वीडियो वायरल होने पर सरकार पर तीखा हमला बोला । उन्होंने कहा जिस सरकार के मंत्री जनता को कुछ ना समझते हो और सड़क पर सीधे मारधाड़ पर उतारू हो जाए उस प्रदेश का विकास भला कैसे हो सकता है उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कैबिनेट मंत्री सड़क पर मारधाड़ करते दिख रहे हैं उससे तो बीजेपी की गुंडागर्दी का अंदाजा साफ लगाया जा सकता है कि वो एक आम व्यक्ति को कुछ समझते नहीं है ।

उन्होंने कहा इससे ना सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का चाल, चरित्र ,चेहरा सामने आता है बल्कि जनता द्वारा चुने हुए विधायक मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का इस प्रकार मारधाड़ करना गुंडागर्दी की सारी हदें पार करने जैसा है । उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर तुरंत कार्रवाई करने की मांग की और कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के कैबिनेट से बर्खास्त किए जाने साथ ही विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी से उनकी विधायकी रद्द करने की मांग की है । उन्होंने कहा इस प्रकार का आचरण राजनीति में कतई बर्दाश्त नहीं होगा यदि जल्द ही मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आम आदमी पार्टी उग्र आंदोलन करेगी एवं सड़कों पर उतरेगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी ।

भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा परिषद द्वारा क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार का वितरण

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार । समाज सेवी संस्था भारत स्वास्थ्य एवं शिक्षा परिषद द्वारा क्षय रोगियों के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित निक्षय मित्र कार्यक्रम में सहयोग करते हुए राशन किट वितरण के साथ ही संस्था ने अति रक्त अल्पता (Severe Anaemia) के रोगियों को निशुल्क औषधि वितरण किया। एसएमएसडी इण्टर कॉलेज सतीघाट कनखल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. मनीष दत्त ने निक्षय मित्र योजना की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना में सभी सामाजिक व्यक्ति एवं संस्थाएं रोगियों का सहयोग कर सकती है। उन्होंने कहा कि परिषद के सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं जिनके सहयोग से आज लाभार्थियों को पौष्टिक आहार किट का वितरण किया जा रहा है। संस्था के मार्गदर्शक समाजसेवी सुधीर गुप्ता ने कहा कि परिषद सेवा के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुँचने का प्रयास कर रही है। क्षय रोग अधिकारी डॉ. आर. के. सिंह ने रोगियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि आप लोगों को डर मन से निकालते हुए एक संयमित जीवन जीने के साथ ही समय पर औषधि भी लेनी है।

भारत स्वास्थ्य एंव शिक्षा परिषद के संस्थापक व चेयरमैन डॉ. विकास दीक्षित ने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यो के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि परिषद् निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के साथ सीवियर एनीमिया के रोगियों का भी निःशुल्क उपचार कर रही है। डॉ दीक्षित ने कहा कि भविष्य में भी संस्था सरकार वह प्रशासन के साथ मिलकर समाज कल्याण के कार्य करती रहेगी। इस मौके पर डॉ. एंडले (वरिष्ठ फिजिशियन), डॉ. तरूण गुप्ता (फिजिशियन), अमरीष, मो. सलीम, अनिल नेगी, परिषद की कोषाध्यक्ष नेहा रावत, कपिल तिवारी, कृष्णानन्द जोशी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन परिषद के सचिव बालकृष्ण शास्त्री ने किया।

शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल ने किया शर्मनाक कृत्य : सुमित तिवारी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

भाजपा सरकार के मंत्री सत्ता के नशे में हुए चूर : सुमित तिवारी

सरेराह बीच सड़क पर लोगों को पीटना भाजपा की निरंकुशता का है प्रमाण : सुमित तिवारी

भाजपा सरकार को तत्काल ऐसे मंत्री का इस्तीफा ले लेना चाहिए : सुमित तिवारी

हरिद्वार। उत्तराखंड सरकार के भाजपा के मंत्री द्वारा सरेराह की गई लोगों की पीटाई की, समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुमित तिवारी ने घोर शब्दों में निंदा करते हुए मंगलवार को कहा है की यह एक सभ्य जनप्रतिनिधि द्वारा बहुत ही निंदनीय कृत्य है। सुमित तिवारी ने कहा की एक उच्च पद पर बैठे जनप्रतिनिधि को यह ज्ञात होना चाहिए कि वह जनता द्वारा चुना गया है। वह जनता का सेवक है एक तानाशाह नही, जो सत्ता के नशे में इतना मदहोश हो गया कि उसे यह भी ज्ञान नहीं रहा कि आपके इस कृत्य का जनता में क्या संदेश जाएगा।

सुमित तिवारी ने कहा कि भाजपा सरकार अब तक आम जनता का शोषण तो कर ही रही थी। लेकिन अब उनके मंत्री ने बीच सड़क युवक को दौड़ा-दौड़ा कर पीटकर यह भी दिखा दिया की उनकी सत्ता की हनक कितनी बड़ी है। कि उनके खिलाफ बोलने वालों या आवाज उठाने वालों का यही हश्र किया जाएगा। उन्होंने भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या भाजपा के लोग भाजपा मंत्री के इस कृत से सहमत है।

यदि सहमत नही है तो ऐसे मंत्री का तत्काल इस्तीफा ले लेना चाहिए। क्योंकि जब से प्रेमचंद्र अग्रवाल ने शहरी विकास का मंत्रालय संभाला है वह लगातार विवादों में घिरते आए है। चाहे सरकारी नियुक्तियों में भ्रष्टाचार का मामला हो या एचआरडीए का दुरुपयोग करने का मामला हो। इनका विवादों से पुराना कनेक्शन है। और आज तो उन्होंने हद कर दी। सरेराह उनकी इस दबंगई से सब हैरान और परेशान है कि आख़िर ऐसा क्या हो गया कि मंत्री जी को बीच सड़क दो-दो हाथ करना पड़ गया। कहीं न कहीं इसके पीछे भाजपा सरकार का बहुत बड़ा योगदान है।

किसान यूनियन महिला मोर्चा हरिद्वार जिला अध्यक्ष नियुक्त

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। किसान यूनियन राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सवित मलिक के निर्देशानुसार किसान यूनियन महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी ने नियुक्ति पत्र देकर हरिद्वार महिला मोर्चा की जिलाध्यक्षशिवानी चौहान को उनके जन्मदिन के शुभ अवसर पर संगठन की जिम्मेवारी सौंपी नवनियुक्त महिला मोर्चा अध्यक्ष को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी ने बताया कि उत्तराखंड में किसान यूनियन संगठन का विस्तार पूरे प्रदेश में निरंतर जारी रहेगा इस मौके पर जिला अध्यक्ष अंकित चौहान ने कहा कि किसानों एवं मजदूरों की समस्याओं एवं भ्रष्टाचार की आवाज को बुलंद करते रहेंगे और आगे भी मजबूती के साथ बढ़ते हुए ऐसे ही जनपद हरिद्वार में किसान यूनियन कार्यकारिणी का विस्तार जारी रहेगा इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी अमित सैनी,जिला उपाध्यक्ष मनीष चौहान जिला उपाध्यक्ष आकाश पंवार तहसील अध्यक्ष संदीप कुमार ब्लॉक अध्यक्ष मुकुल पाल, रविन्द्र, सुरेन्द्र, रवि कुमार, गुलशन कुमार सोनू कश्यप, रवि आदि किसान यूनियन कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बदरीनाथ, केदारनाथ धाम में दान के लिए क्यूआर कोड वाले बोर्ड लगाने के मामले में पुलिस ने जांच शुरू की

गोपेश्वर (उत्तराखंड)। श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति की अनुमति के बिना बदरीनाथ और केदारनाथ मंदिरों में क्यूआर कोड के माध्यम से दान स्वीकार करने वाले बोर्ड लगाए जाने के मामले में पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। समिति के पदाधिकारियों ने रविवार को पुलिस में शिकायत देकर इस मामले की जांच करने की मांग की थी।

चमोली के पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बदरीनाथ के पुलिस थानाध्यक्ष को तत्काल मामला दर्ज करने और उसकी जांच शुरू करने के आदेश दिए। डोबाल ने बताया कि बदरीनाथ थाने में सोमवार को अज्ञात के विरूद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया गया। इससे पहले, मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने एक बयान में कहा था कि क्यूआर कोड के माध्यम से दान देने के लिए मंदिरों के पास लगे बोर्ड समिति की ओर से नहीं लगाए गए थे।

उन्होंने कहा कि दोनों धामों में कपाट खुलने के दिन ये बोर्ड लगे पाए गए थे और मंदिर समिति के अधिकारियों के संज्ञान में आने पर उसी दिन इन्हें उतार दिया गया था। अजय ने कहा कि मंदिर समिति के अधिकारियों ने पहले अपने स्तर से इस मामले की छानबीन की और इसके पश्चात रविवार को केदारनाथ पुलिस चौकी और बदरीनाथ में पुलिस कोतवाली में इस संबंध में तहरीर देकर मामले की जांच की मांग की गयी। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने यह भी स्पष्ट किया कि मंदिर समिति द्वारा वर्तमान में अपने कामकाज में डिजिटल भुगतान संबंधी ऐप का उपयोग नहीं किया जाता है। गौरतलब है कि केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को और बदरीनाथ मंदिर के कपाट 27 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोले गए थे।

क्यूआर कोड स्कैन से बचने का तरीका

क्यूआर कोड के सोर्स को चेक करें। अगर यह मंदिर समिति या ट्रस्ट द्वारा ऑथराइज्ड नहीं है तो इसे स्कैन न करें। इसकी पुष्टि करने से पहले पेमेंट की डिटेल्स को वेरिफाई करें। अगर रिसीवर का नाम या अकाउंट नंबर मंदिर के नाम या ट्रस्ट से मेल नहीं खाता है, तो पेमेंट तो तुरंत कैंसिल कर दें। किसी भी संदिग्ध क्यूआर कोड की जानकारी आपको तुरंत पुलिस को देनी होगी। मंदिर या ट्रस्ट से होने का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति के साथ अपनी निजी जानकारी या फाइनेंशियल जानकारी शेयर न करें।

उत्तराखंड में बीच सड़क कैबिनेट मंत्री की दबंगई

देहरादून। आपने कई ऐसे झगड़े देखे होंगे जहां लोग छोटी सी बात पर मारपीट पर उतर जाते हैं, मगर तब क्या हो जब जन प्रतिनिधि भी दबंगई पर उतर आएं. ऐसा ही एक मामला देवभूमि उत्तराखंड से सामने आया है. यहां अक्सर विवादों में रहने वाले कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे ऋषिकेश में एक युवक के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं. वीडियो में साफ दिख रहा है कि पहला थप्पड़ कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने मारा. इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने युवक को तेजी से मारना पीटना शुरू कर दिया. वीडियो में कैबिनेट मंत्री भी युवक को पीटते हुए दिख रहे हैं।

बताया जा रहा है जन समस्याओं से जुड़े मुद्दे को लेकर व्यक्ति ने आक्रोश के चलते मंत्री प्रेमचंद्र अग्रवाल पर हमला कर दिया. साथ ही व्यक्ति ने मंत्री के साथ हाथापाई करने की भी कोशिश की जिसमें मंत्री के कपड़े भी फट गए. प्रेमचंद्र अग्रवाल से सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को पकड़ लिया. हमलावर की पहचान सुरेंद्र नेगी नाम से हुई है. सुरंद्र ऋषिकेश विधानसभा के शिवाजी नगर का रहने वाला है। मंत्री पर हुए इस हमले से शहर में दहशत का माहौल बन गया. युवक ने ऋषिकेश में नेशनल हाइवे पर हमला किया है।

बढ़ाए गए सर्किल रेट वापस नहीं लेने पर कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजीव चैधरी ने कार्यकर्ताओं के साथ एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर बढ़ाए गए सर्किल रेट को वापस लिए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के दौरान राजीव चौधरी ने कहा कि फरवरी में बढ़ाए गए सर्किल जनहित के विरूद्ध हैं। सर्किल रेट बढ़ने से मध्य वर्गीय व गरीब व्यक्तियों को पर अनावश्य आर्थिक बोझ बढ़ गया है। जिससे आम लोगों के लिए मकान एवं मकान बनाने के लिए प्लाट खरीदना बहुत महंगा हो गया है। राजीव चौधरी ने कहा कि व्यापाक जनहित को देखते हुए बढ़ाए गए सर्किल रेट को तत्काल वापस लिया जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता के हितों के लिए गए सर्किल रेट बढ़ाने के फैसले को तुरंत वापस नहीं लिया गया तो जिला कांग्रेस कमेटी तहसील परिसर में धरना व आंदोलन करने को बाध्य होगी। राजीव चैधरी ने कहा कि सर्किल रेट में भारी बढ़ोतरी से गरीब लोगों के लिए अपना खुद का घर बनाना मुश्किल हो गया है। लोग पहले से ही महंगाई से परेशान है। उस पर सर्किल रेट में बढ़ोतरी कर लोगों के लिए घर बनाना भी मुश्किल कर दिया गया है। जिसे कतई सहन नहीं किया जाएगा। इस दौरान जिला महामंत्री मनीष सैनी, अली नवाज कुरैशी, एडवोकेट सरोज अंसारी, राहुल कुमार, कांग्रेस एससी एसटी विभाग के महानगर अध्यक्ष विपनि पेवल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महंगाई की मार झेल रहे गरीबों के लिए घर बनाना भी हुआ मुश्किल: राजीव चौधरी

राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में योगीयों ने दिखायी प्रतिभा: योगी रजनीश

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। ॐ आरोग्यम योग मंदिर द्वारा गौतम फार्म, हरिद्वार में राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ योगी रजनीश, श्रीमती सुधा त्रिपाठी- बाल विकास परियोजना अधिकारी, रजनीश चैहान, डॉ.देव प्रकाश अंतराष्ट्रीय योग रेफरी, श्रीमती अर्चना शर्मा आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

योग प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों डी.पी.एस. दौलतपुर, बी.एम.एल. मुंज्याल, मां सरस्वती पब्लिक स्कूल, मां आनंदमयी स्कूल रायवाला, योगधाम फिटनेस, डांस वाइब्स, ओजाईमा सहारनपुर, आई.आई.एम.टी. यूनिवर्सिटी मेरठ, चैधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ आदि अन्य शहरों से भी बच्चों ने योग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

35 से अधिक पुरुष वर्ग में वीरेंद्र सिंह ने स्वर्ण रामवीर सिंह ने रजत एवं नवीन ने कांस्य पदक प्राप्त किए एवं महिला वर्ग में बिजल ने स्वर्ण शिवानी बिष्ट ने रजत एवं गरिमा ने कांस्य पदक प्राप्त किए। योग प्रतियोगिता में आर्टिस्टिक योग प्रतियोगिता में एकल में सौरभ ने स्वर्ण एवं सार्थक ने रजत पदक प्राप्त किए। आर्टिस्टिक समूह में मां सरस्वती स्कूल के बच्चों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। सूर्य नमस्कार की प्रतियोगिता आर्युदा सहगल ने स्वर्ण रितिका व ऋषिका थपलियाल ने रजत एवं दिशी जैन ने कांस्य पदक प्राप्त किया। कार्यक्रम मे दीप्ति सिंह, आलोक श्रीवास्तव, अमन सिखौला, मनन वर्मा, ओश्विन शर्मा, सुर्या आदि उपस्थित रहे।

बर्फबारी के कारण फिर रुकी केदारनाथ यात्रा

देहरादून। पिछले तीन दिन से केदारनाथ में बर्फबारी हो रही है। आज मंगलवार को भी केदारनाथ में बर्फबारी जारी है। सोमवार के बाद यहां मंगलवार तड़के बर्फबारी हुई। वहीं सोनप्रयाग में रोके गए यात्रियों को केदारनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। जिसके बाद फरि सुबह साढ़े 11 बजे यात्रियों को सोनप्रयाग और गौरीकुंड में रोक दिया गया है। मौसम के अलर्ट के चलते दोपहर बाद ऋषिकेश और श्रीनगर से भी यात्रा को रोक दिया गया है। डीजीपी अशोक कुमार ने यह जानकारी दी है। वहीं पुलिस ने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के लिए रात आठ बजे बाद किसी प्रकार का आवागमन नहीं होगा। वहीं रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक यात्रा वाहन के संचालन पर पूरी तरह रोक रहेगी केदारनाथ में हो रही बर्फबारी व मौसम विभाग के अलर्ट के चलते सोनप्रयाग में यात्रियों को रोक दिया गया है

फास्टैग से टोल वसूली का नया रिकॉर्ड, एक दिन में जुटा लिए 193 करोड़

नई दिल्ली। देश में टोल संग्रह की फास्टैग प्रणाली के काम में निरंतर वृद्धि के साथ 29 अप्रैल को इस प्रणाली के माध्यम से एक दिन में 193.15 करोड़ रुपए के टोल संग्रह का नया रिकार्ड बना। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 29 अप्रैल 2023 को फास्टैग प्रणाली पर 1.16 करोड़ रुपए लेनदेन के साथ वाहनों से 193.15 करोड़ रुपये का टोल वसूल किया गया। सरकार ने फरवरी 2021 में टोल व्यवस्था वाले राजमार्गों पर वाहनों के लिए टोल रेडियो तरंग पर आधारित फास्टैग प्रणाली का उपयोग अनिवार्य कर दिया था।

बयान के मुताबिक सरकार सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए टोल जमा कराने की अधिक से अधिक सहज और सुखद सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) भारत में फ्री-फ्लो टोलिंग सिस्टम की अनुमति देने के लिए ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) आधारित टोलिंग सिस्टम लागू करने की दिशा में काम कर रही है। बयान के मुताबिक फास्टैग कार्यक्रम के तहत टोल प्लाजा की संख्या अब 770 से बढ़कर 1,228 हो गई है, जिसमें 339 राज्य टोल प्लाजा शामिल हैं। मंत्रालय का कहना है कि अब तक 6.9 करोड़ से अधिक फास्टैग जारी किए गए है और टोल नाकों से निकलने वाले लगभग 97 प्रतिशत वाहन इसका उपयोग कर रहे हैं। इस प्रणाली से राष्ट्रीय राजमार्गों पर शुल्क प्लाजा पर टोल जमा कराने में सुविधा हुई है और समय कम लगता है। सरकार का कहना है कि इससे न केवल टोल संचालन की दक्षता में वृद्धि हुई है, बल्कि सड़क संपत्तियों का अधिक सटीक मूल्यांकन भी हो रहा है। केवल टोल नाकों पर ही नहीं, 50 से अधिक शहरों में 140 से अधिक पार्किंग स्थल पर पार्किंग शुल्क के लिए भी इस प्रणाली के जरिए निर्बाध और सुरक्षित संपर्क रहित भुगतान किया जा सकता है।

फर्स्ट रिपब्लिक बैंक सीज किया

नई दिल्ली। कैलिफोर्निया नियामक ने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को जब्त कर लिया है। वहींए जेपी मॉर्गन चेस ने बैंक के सभी जमाओं और अधिकांश संपत्तियों को अपने नियंत्रण में ले लिया है। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल प्रोटेक्शन एंड इनोवेशन डीएएफपीआई ने सोमवार को कहा कि उसने फर्स्ट रिपब्लिक बैंक को बंद कर दिया है और जेपी मॉर्गन चेस एंड कंपनी और नेशनल एसोसिएशन को अपनी संपत्ति बेचने के लिए एक सौदे पर सहमति व्यक्त की है। फर्स्ट रिपब्लिक बैंक पिछले दो महीने में विफल होने वाला तीसरा प्रमुख अमरीकी बैंक है।

मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने सप्ताहांत पर बताया कि जेपी मॉर्गन बैंक पीएनसी फाइनेंशियल सर्विसेज ग्रुप और सिटिजंस फाइनेंशियल ग्रुप इंक सहित कई इच्छुक खरीदारों में से एक थाए जिन्होंने अमेरिकी नियामकों द्वारा चलाई जा रही नीलामी में रविवार को अंतिम बोली लगाई। कैलिफोर्निया के वित्तीय सुरक्षा और नवाचार विभाग ने एक बयान में कहा कि जेपी मॉर्गन फर्स्ट रिपब्लिक की सभी जमाओं, सभी गैर बीमित जमाओं और परिसंपत्तियों को कब्जे में ले लेगा। इस प्रकार बैंक को सीज कर दिया गया है।

एडीबी की वार्षिक बैठक में भाग लेंगी सीतारमण

नयी दिल्ली (वार्ता)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दक्षिण कोरिया में आयोजित हो रही एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की चार दिवसीय 56वीं वार्षिक बैठक में भाग लेंगी। सीतारमण भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतिनिधिमंडल निवेशक और द्विपक्षीय बैठकों में भागीदारी करेगा। इसमें वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधिकारी शामिल है। यह प्रतिनिधितंडल आज रात दक्षिण कोरिया के लिए रवाना होगा। इन बैठकों में एडीबी के सदस्य देशों के आधिकारिक प्रतिनिमंडल के साथ ही पर्यवेक्षक, गैर सरकारी और सिविल सोसायटी संगठन, मीडिया, वित्तीय संस्थान, बैंक और अन्य निजी कंपनियों के प्रतिनिधि भाग लेंगें।

ऑफलाइन कोचिंग की सूरत बदलने के लिए पीडब्ल्यू का 82 करोड़ का निवेश, 50 विद्यापीठ सेंटर शुरू

नयी दिल्ली (वार्ता)। एड-टेक प्लेटफॉर्म फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) ने टेक्नोलॉजी के समन्वय से ऑफलाइन कोचिंग की सूरत बदलने के उद्देश्य से देश भर में 50 विद्यापीठ सेंटर शुरू करने की घोषणा की है।

पीडब्ल्यू ने आज यहां जारी बयान में कहा कि विद्यापीठ के 50 सेंटरों में 650 स्मार्ट क्लासरूम हैं , जो पी डब्ल्यू को एक बड़े छात्र समूह तक पहुंचने के मदद करेंगे और उन्हें उनकी आने वाली जेईई/एनईईटी परीक्षाओं के लिए सीखने के सबसे अच्छे अनुभव प्रदान करेंगे। पी डब्ल्यू ने भारत भर में 1200 से अधिक फैकल्टी सदस्यों के भर्ती की योजना बनाई है। स्तरीय कंटेंट और बेहतर परिणाम देने के लिए इन्हें ट्रेनिंग दी जाएगी। एड-टेक यूनिकॉर्न पहले से ही देश भर के विभिन्न शहरों में 11 विद्यापीठ सेंटर चला रहा है।

महंगी हुई TATA की कारें, कंपनी ने बढ़ाए दाम

नई दिल्ली। यदि आप भी टाटा की गाड़ी खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको जेब और ढीली करनी पड़ेगी। दरअसल कंपनी ने आज 1 मई से अपने यात्री वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। आज से ग्राहकों को वेरिएंट और मॉडल के आधार पर टाटा की कार 0.6 फीसदी तक महंगी पड़ने वाली है। कंपनी ने लागत मूल्य में इजाफे का हवाला देते हुए अपने यात्री वाहनों की कीमत बढ़ाने का फैसला लिया है। बढ़ी हुई कीमतें आज 1 मई 2023 से लागू हो गई हैं।

बता दें कि अप्रैल 2023 से नए ईंधन नियम लागू कर दिए गए हैं जिसके चलते कंपनी को अपने सभी वाहन अपग्रेड करने पड़े हैं। वाहनों की कीमत बढ़ाने के पीछे यह भी एक बड़ी वजह मानी जा रही है। टाटा मोटर्स ने जारी बयान में कहा कि कंपनी लागत मूल्य में इजाफा होने और रेगुलेटरी में बदलाव की वजह से बढ़ी कीमत का हिस्सा वहन कर रही है। लेकिन इस बढ़ोतरी का कुछ हिस्सा ग्राहकों के पाले में भी डालना जरूरी हो गया है। बता दें कि इस साल में यह दूसरी बार है जब कंपनी ने अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की है। इससे पहले कंपनी ने फरवरी में भी अपनी ईंधन कारों की कीमतों में 1.2 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इससे पहले कंपनी ने पिछले महीने अपने कमर्शियल वाहनों पर 5 फीसदी तक की कीमतों की बढ़ोतरी की घोषणा की थी।

जीएसटी कलेक्शन: अप्रैल 2023 में 1.87 लाख करोड़ रुपए की वसूली

नई दिल्ली। अप्रैल 2023 में जीएसटी कलेक्शन के आंकड़ों ने इतिहास रच दिया है। सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन 1.87 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो अब तक का ऐतिहासिक रिकार्ड है। मार्च 2023 में देश का जीएसटी कलेक्शन 1,60,122 करोड़ रुपए का रहा था। इससे पहले का रिकार्ड बीते वर्ष अप्रैल 2022 में बना था, जब जीएसटी उगाही 1,67,540 करोड़ रुपए रही थी। हालांकि बीते अप्रैल के मुकाबले इस अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन में 19,495 करोड़ रुपए यानी 12 फीसदी ज्यादा जीएसटी की वसूली हुई है। वित्त मंत्रालय ने जीएसटी वसूल के डाटा जारी करते हुए बताया कि अप्रैल 2023 में जीएसटी कलेक्शन बीते साल के अप्रैल महीने के मुकाबले 12 फीसदी ज्यादा है। 20 अप्रैल, 2023 को एक दिन में 9.8 लाख ट्रांजैक्शन हुए, जिसमें एक ही दिन में 68,228 करोड़ रुपए जीएसटी की वसूली हुई है।

इससे पहले एक दिन में ट्रांजैक्शन का रिकार्ड बीते साल 20 अप्रैल, 2022 का था, जब एक दिन में 9.6 लाख ट्रांजैक्शन हुआ था, जिसमें 57,846 करोड़ जीएसटी वसूली देखने को मिली थी। आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल में कुल 1,87,035 करोड़ जीएसटी कलेक्शन में सीजीएसटी कलेक्शन 38,440 करोड़ रुपए, एसजीएसटी कलेक्शन 47,412 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 89,158 करोड़ रुपए और सेस के रूप में 12.025 करोड़ रुपए की वसूली हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिकार्ड जीएसटी कलेक्शन पर ट्वीट किया कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ी खबर है। कम टैक्स रेट के बावजूद टैक्स कलेक्शन बताता है कि जीएसटी कैसे इंटीग्रेशन और अनुपालन में सफल रहा है।

बहरहाल यह पहला मौका है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.75 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा है। अप्रैल महीने में केंद्र और राज्य सरकार के रेवेन्यू पर नजर डालें तो केंद्र का रेवेन्यू रेग्युलर सेटलमेंट के बाद 84,304 करोड़ रुपए सीजीएसटी रहा है, जबकि राज्यों के लिए एसजीएसटी 85,371 करोड़ रुपए रहा है।

आरसीबी ने लखनऊ को 18 रन से मात दी

लखनऊ, (वार्ता)। सलामी बल्लेबाज फॉफ डु प्लेसिस (44) और विराट कोहली (31) की जोड़ी के बीच 62 रन की ठोस भागीदारी के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से रायल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने सोमवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 18 रन से हरा दिया।

आरसीबी ने लखनऊ के सामने मात्र 127 रन का लक्ष्य रखा। पिछले मैच में 257 रन बनाने वाली लखनऊ इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी और 19.5 ओवर में 108 रन पर ऑलआउट हो गई। कप्तान डु प्लेसिस ने 40 गेंद पर आरसीबी के लिए सर्वाधिक 44 रन बनाए और उनकी यह पारी टीम की जीत में निर्णायक साबित हुई। उनके गेंदबाजों में कर्ण शर्मा और जॉश हेजलवुड ने दो-दो विकेट लिए, जबकि मोहम्मद सिराज, ग्लेन मैक्सवेल, वानिंदू हसरंगा और हर्षल पटेल ने एक-एक सफलता हासिल की।

इस जीत के साथ आरसीबी अंक तालिका में पांचवे स्थान पर आ गई है, जबकि लखनऊ का शीर्ष पर पहुंचने का सपना टूट गया और वह तालिका में तीसरे स्थान पर कायम है। इकाना की कठिन पिच पर आरसीबी ने टास जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। पिच के मिजाज को भांपते हुये लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने नई गेंद स्पिनर कृणाल पांडया को पकड़ाई। डुप्लेसिस और विराट ने पारी का आगाज सधे हुये तरीके से किया मगर नौवें ओवर की आखिरी गेंद पर विराट ने रवि बिश्नोई की गेंद पर प्रहार करने से चूके और विकेटकीपर निकोलस पूरन ने उनकी गिल्लियां उड़ाने में कोई गलती नहीं की। वह आईपीएल करियर के सात हजार रन पूरे करने से महज 12 रन पीछे रह गये। लखनऊ में विराट की यह पहली अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पारी थी, इससे पहले वह एक बार रणजी मैच खेलने के लिये लखनऊ आ चुके हैं। नये बल्लेबाज अनुज रावत (9) को कृष्णप्पा गौथम ने आउट किया जबकि ग्लेन मैक्स्वेल (4) रवि बिश्नोई के अगले शिकार बने। सुयश प्रभुदेसाई (6) का विकेट अमित मिश्रा के खाते में गया। इस बीच बारिश होने से मैच में खलल पड़ा। करीब 25 मिनट बाद मैच जब दोबारा शुरू हुआ तो आरसीबी ने बचे हुये ओवरों में रन गति तेज करने का प्रयास किया और अपने स्कोर को तीन अंको तक पहुंचाया मगर इस बीच फॉफ अनुभवी अमित मिश्रा की गेंद को उड़ाने के चक्कर में कवर पर खड़े कृणाल पांड्या के हाथों आउट हुये। इस समय टीम का स्कोर पांच विकेट पर 109 रन था।

मध्यक्रम की गुत्थियां सुलझाए आरसीबी : इरफान

लखनऊ, (वार्ता)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) फाफ डु प्लेसिस, विराट कोहली और ग्लेन मैक्सवेल के रूप में अपने शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर निर्भर है और उसे मुश्किल परिस्थितियों में जिताने के लिये मध्यक्रम के किसी बल्लेबाज को आगे आना होगा।

इरफान ने स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव पर कहा, "आरसीबी को देखना होगा कि यदि केजीएफ (कोहली, ग्लेन, फाफ) अच्छा प्रदर्शन नहीं करते तो उनकी टीम को मुश्किल हालात में कौन उबार सकेगा। यह काम दिनेश कार्तिक या महिपाल लोमरोर में से किसी एक को करना होगा।" आरसीबी के लिये कोहली के अलावा किसी अन्य भारतीय बल्लेबाज ने इस सीजन में बल्ले से कोई दमखम नहीं दिखाया है जो की चिंताजनक है। आरसीबी को पिछले मैच में इसी कारण से अपने घरेलू मैदान पर कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी यह टीम 227 रन का पीछा करते हुए मजबूत स्थिति में थी लेकिन मैक्सवेल और डु प्लेसिस का विकेट गिरते ही आरसीबी की पारी ढह गयी। इरफान ने कहा, "आरसीबी का मध्यक्रम बहुत कमजोर दिख रहा है। कार्तिक पिछले आठ मैचों में एक बार भी यह साबित नहीं कर सके कि टीम बड़े स्कोर या लक्ष्य का पीछा करने के दौरान उन पर भरोसा कर सकती है।

अतंरराष्ट्रीय

ब्राजील में पुलिस के साथ झड़प में चार खनिकों की मौत

साओ पाउलो (वार्ता)। ब्राजील के रोराइमा राज्य में पुलिस के साथ झड़प में सोने की खान में अवैध रूप से काम कर रहे चार खनिकों की मौत हो गयी है।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। मंत्रालय ने बताया कि यह घटना रविवार की रात हुई जब संघीय राजमार्ग पुलिस और ब्राजीलियाई पर्यावरण संस्थान एवं नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधन के निरीक्षक अवैध खनन के खिलाफ एक अभियान के तहत क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। अधिकारियों ने बाद में घटना स्थल पर हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा द्वारा अवैध खनन के कारण यानोमामी क्षेत्र में आपातकाल घोषित किये जाने के बाद से इस प्रकार के अभियान चलाये रहे हैं, जिससे मूल निवासियों की आजीविका के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।

सोने की खदान में काम करने वाले लगभग 20,000 खनिक क्षेत्र में खनन पर प्रतिबंध का उल्लंघन करते हैं और नदियों में पारा डालकर उन्हें प्रदूषित करते हैं। यहां तक कि अपने रास्ते में आने वाले स्थानीय लोगों को भी मार डालते हैं।

इलिनोइस में धूल भरी आंधी के कारण छह लोगों की मौत

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका के इलिनोइस में धूल भरी आंधी के कारण राजमार्ग पर छह लोगों की मौत हो गयी और 90 से अधिक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गये है। राज्य पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति में इसकी पुष्टि की है। विज्ञप्ति में सोमवार को कहा गया कि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में लगभग 30 वाणिज्यिक मोटर वाहन और 40 से 60 यात्री कारें शामिल थीं। जिनमें दुर्घटना के बाद आग लग गयी और वाहन नष्ट गए। रिपोर्टो के अनुसार छह लोगों की मौत भी हुई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुर्घटनाओं का कारण अत्यधिक तेज हवाओं के कारण राजमार्ग पर धूल मिट्टी उड़ने से शून्य दृश्यता है। दुर्घटनाओं में 30 से अधिक लोगों को मामूली से लेकर गंभीर चोटों के साथ अस्पताल पहुंचाया गया।

अमेरिकी सीनेटर कार्डिन 2024 में चुनाव नहीं लड़ेंगे

वाशिंगटन, (वार्ता)। अमेरिका में सीनेटर बेन कार्डिन ने 2024 में चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। मैरीलैंड राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन बार के अमेरिकी सीनेटर श्री कार्डिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर घोषणा की कि वह 2024 में फिर से चुनाव नहीं लड़ेंगे।

उन्होंने कहा "मैंने अपना आखिरी चुनाव लड़ा है और 2024 में मतपत्र पर नहीं रहूंगा, लेकिन अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है। श्री कार्डिन ने विज्ञप्ति में कहा, अगले दो वर्षों के दौरान, मैं मैरीलैंड के लोगों की बातें सुनने और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए यात्रा करना जारी रखूंगा। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी शीर्ष प्राथमिकताओं में बाल्टीमोर के निवासियों को कई चुनौतियों से निपटने में मदद करना

और टेली-हेल्थ, मानसिक और व्यवहारिक स्वास्थ्य के लिए स्थायी रूप से विस्तार के अवसर शामिल हैं।

उन्होंने कहा अमेरिका की सीनेट में मैरीलैंड के लोगों का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सम्मान रहा है। कार्डिन पहली बार 2006 में अमेरिकी सीनेट के लिए चुने गए थे।

अमेरिकी सेना हवाई के ऊपर उड़ने वाले गुब्बारे पर रख रही है नजर

वाशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका की सेना हवाई के कुछ भागों से गुजरने वाले एक अज्ञात गुब्बारे का पता लगा रही है। एनबीसी न्यूज ने अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सेना पिछले सप्ताह के अंत से इस पर नज़र रख रही है तथा पता चला है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा या हवाई यातायात के लिए खतरा पैदा नहीं कर रहा है और न ही किसी किस्म का संचार सिग्नल भेज रहा है। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि गुब्बारा धीरे-धीरे मेक्सिको की ओर बढ़ रहा है , यह संवेदनशील क्षेत्रों में नहीं गया, फिर भी अगर यह जमीन के पास होता है तो अमेरिका इसे मार गिरा सकता है। अमेरिका वर्तमान में गुब्बारे के मालिक देश की पहचान पर काम कर रहा है। उसे ऐसा नहीं लगता कि यह चीन से संबंध रखता है।

उत्तराखंड प्रहरी
छोटी खबरें

बीएसएफ ने राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो पाकिस्तानी तस्करों को मार गिराया

बाड़मेर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त होने के संदेह में दो पाकिस्तानी नागरिकों को राजस्थान में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास मार गिराया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि घटना सोमवार रात नौ बजे बाड़मेर सीमाक्षेत्र की है। उन्होंने बताया कि घुसपैठियों को मार गिराने के बाद तलाशी में करीब तीन किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि 13वीं बटालियन से बीएसएफ का गश्ती दल ड्यूटी पर था, इसी दौरान रात नौ बजे उन्होंने सीमा पर तारबंदी के निकट संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने कहा, अभियान दल ने तत्काल कमान संभाल ली और उन्होंने घुसपैठियों को ललकारा लेकिन घुसपैठियों ने जवानों की बात को गंभीरता से नहीं लिया और सीमा सुरक्षा तारबंदी की ओर बढने लगे। प्रवक्ता के अनुसार, उन्हें तारबंदी पार करने से रोकने और आत्मरक्षा के लिए बीएसएफ के जवानों ने घुसपैठियों पर गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से दो पाकिस्तानी घुसपैठियों के शव और संदिग्ध हेरोइन के तीन पैकेट बरामद हुए हैं। भारत के पश्चिमी क्षेत्र में पाकिस्तान के साथ लगभग।,036 किलोमीटर लंबी सीमा राजस्थान से लगती है।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर घटाया विंडफॉल टैक्स

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स घटा दिया है। पेट्रोलियम पर विंडफॉल टैक्स को 6400 रुपए प्रति टन से घटाकर 4100 रुपए यानि 50.14 डॉलर प्रति टन कर दिया है। हालांकि पेट्रोल-डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में छूट जारी रहेगी। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार शुल्क 2 मई यानी आज से प्रभावी हो गया है। बता दें कि केंद्र सरकार अंतरराष्ट्रीय कीमतों और अन्य कारकों के आधार पर हर 15 दिन में विंडफॉल टैक्स की दरों में बदलाव करती है और ये प्रक्रिया जुलाई 2022 से चल रही है। सरकार ने पहली बार बीते साल जुलाई में ही इस विंडफॉल टैक्स को लगाया था और तब से ये सिलसिला चल रहा है। पिछली बार 4 अप्रैल को सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स को इसके पिछले दाम 3500 रुपए प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिया था यानी इस पर विंडफॉल टैक्स को खत्म कर दिया था।

23 से 25 जून तक मनाया जाएगा राज्य स्तरीय मां शूलिनी मेला

सोलन। जिला सोलन का ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध राज्य स्तरीय मां शूलिनी मेला इस वर्ष 23 से 25 जून तक आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने यह जानकारी इस संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि राज्य स्तरीय मां शूलिनी मेला सोलन ज़िला सहित सिरमौर और शिमला एवं आस-पास के क्षेत्रों के लिए विशिष्ट है। मेले के सफल आयोजन के लिए सभी सरकारी व गैर-सरकारी सदस्यों से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे। उपायुक्त ने कहा कि राज्य स्तरीय माँ शूलिनी मेला में समाज के सभी वर्गों विशेषकर महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी पर बल दिया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन ऐतिहासिक ठोडो मैदान में किया जाएगा। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाएगा। तीन दिवसीय मेले में जगह-जगह आयोजित किए जाने वाले भण्डारों के लिए उपमण्डलाधिकारी सोलन से पूर्व अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

प्रकृति सबका हिसाब बराबर करके रख देती है: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कुछ लोगों ने प्रयागराज की धरती को अन्याय और अत्याचार का शिकार बना दिया था, लेकिन यह प्रकृति ना किसी पर अत्याचार करती है और ना किसी के अत्याचार को स्वीकार करती है, सबका हिसाब बराबर करके रख देती है। योगी आदित्यनाथ का इशारा परोक्ष तौर पर माफिया अतीक अहमद की ओर था।

गौरतलब है कि अतीक अहमद (60) तथा अशरफ की मीडियाकर्मी बनकर आए तीन लोगों ने नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी थी। यह हत्या उस वक्त की गयी थी जब दोनों को पुलिस की सुरक्षा में स्वास्थ्य जांच के लिए प्रयागराज के एक मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था। महापौर पद के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी उमेश चंद्र गणेश केसरवानी के पक्ष में शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र के लीडर प्रेस ग्राउंड में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हमने तुष्टिकरण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण पर ध्यान दिया है, सबका विकास किया है। तुष्टिकरण करने वाले लोग भेदभाव करते थे, वही बंटवारा भी करते थे। उल्लेखनीय है कि शहर पश्चिमी विधानसभा क्षेत्र, अतीक अहमद का गढ़ रहा है जहां से वह पांच बार विधायक रहा। उमेश पाल हत्याकांड में नामजद अतीक और उसके भाई अशरफ की 15 अप्रैल को पुलिस हिरासत में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा, आज उत्तर प्रदेश, परिवारवादी और जातिवादी मानसिकता के दलों से आगे बढ़कर एक राष्ट्रवाद की सोच के साथ विकास की नयी ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने कहा, पार्टी के एक साधारण से कार्यकर्ता गणेश केसरवानी को महापौर का प्रत्याशी बनाना यह साबित करता है कि भाजपा नए कार्यकर्ताओं को जोडने की पार्टी है। यही देश का लोकतंत्र है और भाजपा का लोकतंत्र है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह वही उत्तर प्रदेश था जहां पर्व और त्योहार भय और आतंक के साये में मनाए जाते थे। लेकिन आज प्रदेश में पर्व और त्योहार खुशहाली लाते हैं। आज प्रदेश में कर्फ्यू नहीं, दंगा नहीं, बल्कि सभी ओर चंगा ही चंगा है।₹ उन्होंने कहा जो लोग पहले आतंक के बल पर गरीबों की संपत्तियों पर कब्जा करते थे, व्यापारियों से रंगदारी वसूलते थे, आज गले में तख्ती लटकाकर जाने के लिए मजबूर हुए हैं। आज व्यापारी को राज्य के व्यापारी कल्याण बोर्ड की ओर से 10 लाख रुपये की सुरक्षा बीमा दिया जा रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज नगरों में किसी प्रकार का शोहदों का आतंक नहीं है।

आज हमारे नगर 'सेफ सिटी (सुरक्षित शहर) हो रहे हैं। लड़कियां सुरक्षित स्कूल जा सकती हैं, व्यापारी व्यापार कर सकता है। आज युवाओं के हाथ में तमंचे नहीं, टैबलेट हैं।

मुख्यमंत्री ने नगर वासियों से प्रयागराज नगर निगम के सभी 100 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों और महापौर प्रत्याशी को विजयी बनाकर 2025 में होने वाले महाकुम्भ को और भी दिव्य और भव्य बनाने का आह्वान किया।

उत्तरकाशी में श्रद्धालुओं से भरी बस का आधा हिस्सा खाई में लटका, हादसा टला

उत्तरकाशी । उत्तरकाशी जिले के बड़कोट क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा हादसा होने से टल गया जब यमुनोत्री धाम जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खाई में आधी लटक गई।

बड़कोट थाने के प्रभारी पुलिस निरीक्षक गजेंद्र बहुगुणा ने बताया कि ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर डाबरकोट और स्यानाचट्टी के बीच यह घटना दोपहर को हुई। तीर्थयात्रियों से भरी बस के खाई की तरफ लटकने से श्रद्धालुओं में चीख पुकार मच गई। उन्होंने बताया कि घटना के समय बस में 28 यात्री सवार थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि किसी तरह तीर्थयात्री बस से सुरक्षित बाहर आ गए और एक बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरी बस से यमुनोत्री धाम के लिए रवाना कर दिया गया है। राजमार्ग पर यातायात भी बहाल कर दिया गया है। बहुगुणा ने बताया कि प्रथम दृष्टया घटना का कारण अधिक गति लग रही है। उन्होंने बताया कि बस पहले पहाड़ी के किनारे एक बड़े पत्थर से टकराई और फिर वहां से फिसलकर सड़क के दूसरी ओर खाई की तरफ लटक गई।

एयर मार्शल बालाकृष्णन मणिकांतन ने वायुसेना की दक्षिणी कमान का प्रभार संभाला

तिरुवनंतपुरम। एयर मार्शल बालाकृष्णन मणिकांतन ने सोमवार को दक्षिणी कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी इन सी) का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारतीय वायुसेना में जून 1986 में कमीशन प्राप्त करने वाले एयर मार्शल को कमान का प्रभार संभालने के अवसर पर यहां भव्य गारद सलामी दी गई। बयान के मुताबिक, एयर मार्शल मणिकांतन को विभिन्न प्रकार के हेलीकॉप्टर और स्थिर डैने वाले विमानों को उड़ाने का 5,400 घंटे से अधिक का अनुभव है और वह उत्कृष्ट उड़ान प्रशिक्षक हैं।

आगे बयान में कहा गया है कि एयर मार्शल ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और रणनीतिक और वायु युद्ध विकास प्रतिष्ठान (टीएसीडीई) में निर्देशक का कार्य किया, अग्रिम मोर्चे पर सेवारत हेलीकॉप्टर इकाई के कमांडर रहे और दो प्रमुख वायुसेना ठिकानों का नेतृत्व किया। मणिकांतन केरल के कोट्टायम जिले के मूल निवासी हैं और उन्होंने तिरुवनंतपुरम के कजाकूटम स्थित सैन्य स्कूल से पढ़ाई की तथा पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में भर्ती हुए। उन्हें सात जून 1986 को वायुसेना में कमीशन मिला। एयर मार्शल मणिकांतन राष्ट्रपति के अति विशिष्ट सेवा मेडल और वायुसेना मेडल से सम्मानित हो चुके हैं।

लुधियाना गैस कांड: एनजीटी हुआ सख्त, पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख देने का निर्देश, जांच पैनल भी गठित

चंडीगढ़। पंजाब के लुधियाना में जहरीली गैस से 11 लोगों की मौत के मामले पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण एनजीटी सख्त है। एनजीटी ने मंगलवार को कहा कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए पर्यावरण नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना राज्य का दायित्व है। एनजीटी ने लुधियाना के जिला मजिस्ट्रेट को जहरीली गैस से मरने वाले 11 लोगों के परिवारों को 20-20 लाख रुपये देने का निर्देश दिया। रविवार की सुबह लुधियाना के घनी अबादी बाले इलाके ग्यासपुरा में गैस का रिसाव हुआ था। इस हादसे में तीन बच्चों समेत 11 लोगों की जान गई थी।

मरने वाले पांच लोग एक ही परिवार के थे। 11 मृतक उत्तर प्रदेश और बिहार के रहने वाले थे। ग्यासपुरा में बहुत अधिक प्रवासी आबादी है। जांच में हवा में हाइड्रोजन सल्फाइड के उच्च स्तर का पता चला और अधिकारियों को संदेह है कि यह एक सीवर से निकला है। घटना के बाद पंजाब सरकार ने मृतक के परिवार को दो-दो लाख रुपये और प्रभावित लोगों को 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी। वहीं केंद्र सरकार ने भी इतनी ही आर्थिक सहायता देने का एलान किया था। मीडिया रिपोर्टों के आधार पर घटना का एनजीटी ने स्वतः संज्ञान लिया।

एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति एके गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने आठ सदस्यीय तथ्यान्वेषी संयुक्त समिति का गठन किया। इसका नेतृत्व पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष करेंगे। आठ सदस्यीय समिति में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर), औद्योगिक विष विज्ञान अनुसंधान केंद्र (लखनऊ), पीजीआई चंडीगढ़ के निदेशक, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के नामित, पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लुधियाना जिला मजिस्ट्रेट और लुधियाना नगर निगम के आयुक्त शामिल होंगे। पंजाब राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड समन्वय और अनुपालन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। समिति मंगलवार से एक सप्ताह के भीतर बैठक करेगी है ।

सेहत और स्किन के लिए बेहद लाभकारी हैं यह पत्ते

गर्मियों में करें भरपूर उपयोग

गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है. इस मौसम में शरीर को हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी होता है. गर्मियों में खान पान और सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है. गर्मी के मौसम में जरूरी है कि शरीर को पोषण और शीतलता प्रदान करने वाले फूड खाएं. इस मौसम में गर्मी से राहत के लिए तरह-तरह के तरीके अपनाए जाते हैं. गर्मी से बचने के लिए लोग कई तरह के ड्रिंक का उपयोग करते हैं. गर्मियों में पुदीने की डिमांड भी बढ़ जाती है. पुदीना शरीर को ठंडक पहुंचाता है. पुदीने का कई तरह से उपयोग किया जाता है. आइए आज हम आपको पुदीना से होने वाले फायदे बताते हैं.

1.पाचन के लिए: वेबएमडी में छपी एक खबर के अनुसार, पुदीना पाचन संबंधी समस्याओं के लिए बेहद फायदेमंद है. पेट दर्द होने पर भी पुदीने को जीरा, काली मिर्च और हींग के साथ मिलाकर खाने से आराम मिलता है. पुदीना पानी पीने से पाचनतंत्र मजबूत होता है.

2.त्वचा को पोषण देता है: पुदीना अपनी ठंडी तासीर के लिए जाना जाता है. खीरे की तरह ही पुदीना भी त्वचा को मॉश्चराइज करने के काम आता है. पुदीने की पत्तियों के रस को चेहरे पर लगाने से त्वचा को ताजगी और नमी मिलती है. पुदीने की पत्तियों के रस को दही या शहद के साथ मिलाकर लगाना बहुत फायदेमंद होता है. यहां त्वचा को चमकदार बनाता है.

3.इम्यूनिटी को बूस्ट करे: पुदीना को नींबू और नारियल पानी में मिलाकर पीने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है. यह शरीर में ऊर्जा के स्तर को बेहतर रखने में मदद करता है. यह इम्युनिटी को बेहतर करने का काम करता है.

4.ब्लड प्रेशर में फायदेमंद: पुदीना ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद होता है. इसमें मेंथोल पाया जाता है. जो ब्लड प्रेशर को कम करने में असर दिखा सकता है.

5.खांसी जुकाम में फायदेमंद: पुदीने से कई ड्रिंक्स भी तैयार की जाती हैं. पुदीना से बने ड्रिंक्स गर्मी से राहत दिलाते हैं. पुदीना एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है. पुदीना चाय जुकाम के साथ साथ खांसी से भी राहत देती है।

दिल की बेपरवाही, बन ना जाए लापरवाही, करें दिल की देखभाल

है ल्थ विशेषज्ञ की मानें तो गर्मी ?के सीजन हमें ज्यादातर शीतल रहने की जरूरत ज्यादा होती है। यह हमारे शरीर के लिए बहुत आवश्यक है। स्पेशली तब, जब बात दिल की सेहत की हो। दरअसल, गर्मी बढने के साथ हीट स्ट्रोक से लेकर हाइपरटेंशन तक की समस्या बढने लगती है और यह आगे चलकर हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट का भी कारण बन सकता है। यह सच है कि गर्मी का मौसम भी आपके दिल के लिए समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए जरूरी है, गर्मी ?के मौसम में अपने दिल की सेहत कैसे हैल्थी रहे, इसके बारे में जानना। एक शोध के अनुसार गर्मी जैसे-जैसे बढ़ती है दिल की बीमारी के मरीजों की मौत का आंकड़ा भी बढने लगता है। सामान्य दिनों की तुलना में यह संख्या दोगुनी या तिगुनी भी बढ़ सकती है। वहीं अमेरिकन स्ट्रोक एसोसिएशन की स्टडी बताती है कि तापमान में बढ़ोत्तरी होने पर हार्ट स्ट्रोक के खतरे बढ़ जाते हैं। गर्मी के मौसम में तापमान बढने से हमारे शरीर से पानी स्किन के जरिए पसीने के रुप में बाहर निकल जाता है। पसीना निकलने पर हम थोड़ी ठंडक महसूस करते हैं, लेकिन ज्यादा पसीना निकलने से हमारे शरीर के ब्लड में पानी की मात्रा कम हो जाती है। अब इस ब्लड को शरीर में प्रवाहित कराने के लिए हमारे दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। जिसके चलते दिल का स्ट्रेस बढ़ जाता है। और यह स्ट्रेस उसके जोखिम को और बढ़ा देता है।

कैसे रखें दिल की देखभाल

दिल के मरीजों के लिए बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एहतियात के तौर पर पांच उपाय बताए हैं। चिलचिलाती धूप और बढ़ती उमस में हर किसी को इन उपायों को अपनाने की जरुरत है।

सोच-समझ कर निकलें घर से बाहर

तपती गर्मी में घर से बाहर निकलना यानी खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा है। इस मौसम में लू लगने के साथ-साथ दिल के लिए भी खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए चिलचिलाती धूप में घर से बाहर निकलने से परहेज करें। जरुरी हो तो बाहर निकलने के लिए दोपहर बाद 3 बजे से 4 बजे के बाद का समय ही चुनें।

हल्के रंग व वजन वाले कपड़े करें प्रयोग

गर्मी के सीजन में ऐसे कपड़ों को पहने जिनका रंग और वजन हल्का हो, जैसे सूती कपड़े। उन कपड़ों को पहनें जो शरीर से पसीने को दूर करने में बाधित न करें। आंखों की सुरक्षा के लिए धूप के चश्मे, चेहरे सहित शरीर के बाकी हिस्सों के बचाव के लिए सिर पर टोपी पहनें।

पानी ज्यादा पीएं

घर से बाहर निकलने से पहले पर्याप्त पानी पीकर निकलें। साथ ही पानी की बोतल अपने साथ लेकर जाएं। ऐसा एक्सरसाइज करने से पहले और बाद में भी करें। कैफीन युक्त या एल्कोहॉल युक्त पेय लेने से परहेज करें।

चलते वक्त थोड़ा रुकें

इस मौसम में जब भी घर से बाहर निकलें निश्चित अंतराल के बाद बीच-बीच में छायादार जगहों पर रुकें, आराम करें और पानी भी लें।

दिल से लापरवाही पड़ सकती है भारी

अगर आपको लगता है कि आपको गर्मी के कारण हृदय गति बढने या कम होने की समस्या हो रही है, तो तुरंत किसी डॉक्टर से सलाह लें। दिल के स्वास्थ्य के लिए किसी भी तरह की लापरवाही आपको भारी पड़ सकती है।

आराम कहीं जानलेवा ना बन जाए !

एसी

चे न्नई का एक परिवार पति, पत्नी और आठ साल का बच्चा एक रात एसी (Air Conditioner) ऑन करके चैन की नींद सो जाता है और ऐसे सोया कि फिर उठा ही नहीं। क्योंकि एसी की गैस कब उनकी जान ले गई ये उनको भी पता नहीं चला। दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी पुलिस को इन तीनों लोगों की लाश बरामद हुई। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पुलिस को जांच में पता चला कि इन तीनों की मौत की वजह एयरकंडीशनर से लीक हुई जहरीली गैस बनी। पुलिस ने बताया कि रात को ये परिवार बिजली जाने पर इनवर्टर ऑन करके सोया था। (Air Conditioner) लेकिन रात में बिजली आ गई और एसी से लीक हुई गैस से परिवार के तीनों सदस्यों की मौत हो गई। बता दें कि एसी की वजह से जान को खतरे का ये पहला मामला नहीं है। इससे पहले एसी का कंप्रेशर फटने की वजह से लोगों की जान जा चुकी है। ऐसी भी रिपोर्ट्स हैं जिसमें घरों और दफ्तरों में एसी से लोगों को सिर दर्द, सांस लेने में दिक्कतें हुई हैं। ऐसे में सवाल ये है कि इसकी वजह क्या है ? जिससे ठंडक पहुंचाने वाला एसी जानलेवा बन जाता है और घर या दफ़्तर में एसी लगा हो तो किन बातों का जरूर ख़याल रखा जाना चाहिए।

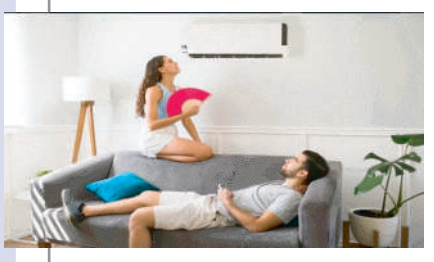

घर को कर देती है ठंडा

एसी में कौन सी गैस भरी होती है ? CHCLF2 के साथ F22 जिसे, फ्रीओन भी कहा जाता है एयर-कंडीशनर के लिए सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाली गैस है। यह लगातार अलग-अलग तापमान पर अपनी अवस्था (ठोस, तरल और गैस) बदलती रहती है। फ्रिओन न केवल एयर कंडीशनिंग इकाइयों में उपयोग किया जाता है, बल्कि इसका उपयोग ईमानदार और छाती फ्रीजर में भी किया गया है। उन शीर्ष पर, बड़ी संख्या में वाणिज्यिक और औद्योगिक उपकरण हैं जो खाद्य परिवहन और कोल्ड स्टोरेज गोदाम दोनों में फ्रीओन का उपयोग करते हैं। यहां तक कि dehumidifiers R-22 का उपयोग करते हैं। नेमप्लेट को देखकर आप पहचान सकते हैं कि आपके एसी (AC) सिस्टम में कौन सा कूलेंट इस्तेमाल किया जा रहा है। यह आपकी इकाई के बारे में सुरक्षा प्रमाणपत्र और विद्युत रेटिंग सहित बहुत सी जानकारी प्रदान करता है। यह जानकारी संभवतः आउटडोर कंडेनसर यूनिट पर स्थित है, या फिर आप यह पता लगाने के लिए निर्माता से संपर्क कर सकते हैं कि यह प्लेट कहाँ स्थित होगी।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com